शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय

रतलाम (म.प्र.)

विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन (म.प्र.) से सम्बद्ध

भारतीय ज्ञान परम्परा

पर

राष्ट्रीय वेबिनार

दिनांक

29 मई 2024

आयोजक

शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय

रतलाम (म.प्र.)

प्रायोजक

उच्च शिक्षा विभाग (म.प्र.)

भारतीय ज्ञान परम्परा

भारतीय ज्ञान परंम्परा अद्वितीय ज्ञान और प्रज्ञा का प्रतीक है जिसमें ज्ञान और विज्ञान, लौकिक और परलौकिक, कर्म और धर्म तथा भोग और त्याग का अद्भुत समन्वय है। ऋग्वेद के समय से ही शिक्षा प्रणाली जीवन के नैतिक, भौतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक मूल्यों पर केन्द्रित होकर विनम्रता, सत्यता, अनुशासन, आत्मनिर्भरता और सभी के लिए सम्मान जैसे मूल्यों पर जोर देती थी। वेदों में विद्या को मनुष्यता की श्रेष्ठता का आधार स्वीकार किया गया था।

शिक्षा प्रणाली ने सीखने और शारीरिक विकास दोनों पर ध्यान केन्द्रित किया। कर्म वही है जो बंधनों से मुक्त करे और विद्या वही है जो मुक्ति का मार्ग दिखाए। इसके अतिरिक्त जो भी कर्म है वह सब निपुणता देने वाले मात्र हैं। शिक्षा के इस संकल्प को भारतीय परम्परा में अंगीकृत कर तदनुरुप ही विश्वविद्यालयों और गुरुकुलों में शिक्षा दी जाती थी। घर, मंदिर, पाठशाला तथा गुरुकुल में संस्कार युक्त स्वदेशी शिक्षा दी जाती थी।

प्राचीन काल की शिक्षा प्रणाली ज्ञान,परम्पराएं और प्रथाएं मानवता को प्रोत्साहित करती थी। पुराण में ज्ञान को अप्रतिम माना गया है। भारत के तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला, बल्लभी, उज्जयिनी, काशी आदि विश्व प्रसिद्ध शिक्षा एवं शोध के प्रमुख केन्द्र थे तथा यहाँ कई देशों के शिक्षार्थी ज्ञानार्जन के लिए आते थे।

प्राचीन भारतीय सनातन ज्ञान परम्परा अति समृद्ध थी तथा इसका उद्देश्य धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष को समाहित करते हुए व्यक्ति के संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना था। जब सारा विश्व अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता था तब सम्पूर्ण भारत के मनीषी उच्चतम ज्ञान का प्रसार करके मानव को पशुता से मुक्त कर श्रेष्ठ संस्कारों से युक्त कर सम्पूर्ण मानव बनाते थे।

इस राष्ट्रीय वेबिनार का उद्देश्य भी भारतीय ज्ञान परम्परा से संबंधित विषयों का गहन विमर्श करना तथा शोध वेबिनार के माध्यम से परम्परागत ज्ञान एवं आदर्शों को समाज में पुनः स्थापित करने का सफल प्रयास करना है।

वेबिनार में विमर्श हेतु प्रस्तावित बिन्दु :

1. भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्ञान और विज्ञान
2. भारतीय ज्ञान परंपरा में लौकिक और पारलौकिक दर्शन
3. भारतीय ज्ञान परंपरा में भोग और त्याग का समन्वय
4. भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति
5. भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता
6. भारतीय ज्ञान परंपरा और साहित्य
7. भारतीय ज्ञान परंपरा की उद्गाता वैदिक संपदा
8. शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान परंपरा के अध्ययन की अनिवार्यता
9. उपनिषद और भारतीय ज्ञान परंपरा
10. प्राचीन भारतीय परंपरा और इतिहास
11. प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा और कला एवं संस्कृति
12. प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा का अर्थ/उद्देश्य
13. भारतीय ज्ञान परंपरा पर वैदिक संस्कृति का प्रभाव
14. वैश्विक संस्कृति पर भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रभाव
15. प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा के आधारभूत तत्व
16. भारतीय ज्ञान परंपरा और समाज
17. भारतीय ज्ञान परंपरा में अर्थव्यवस्था
18. भारतीय ज्ञान परंपरा और राजनीति
19. भारतीय ज्ञान परंपरा एवं वाणिज्य

संस्थान के बारे में

शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रतलाम पूरे जिले के साथ-साथ विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के क्षेत्राधिकार में सीखने और अनुसंधान का एक प्रमुख केंद्र है/ ऐतिहासिक शहर रतलाम में स्थित, संस्था ने अपनी स्थापना के समय से ही कालिदास के हृदय और आर्यावर्त के सबसे प्राचीन क्षेत्र, मालवा की मिट्टी और नदियों में निहित समृद्ध मानवीय, सांस्कृतिक, साहित्यिक और वैज्ञानिक मूल्यों को बढ़ावा दिया है/

रतलाम के बारे में

रतलाम जिला जून 1948 में बनाया गया था और जनवरी 1949 में इसे मान्यता दी गई थी/ इसमें रतलाम, जावरा, सैलाना, पिपलौदा की औपचारिक रियासत का क्षेत्र शामिल है/ रतलाम मध्य प्रदेश के महत्वपूर्ण जिलों में से एक है जो राज्य के उत्तर-पश्चिमी भाग "मालव क्षेत्र" में स्थित है/ नियमित और चौड़ी सड़कों और अच्छी तरह से निर्मित घरों के साथ 1829 में कैप्टन बोर्थविक द्वारा नए शहर रतलाम की स्थापना की गई थी/

प्रबुद्ध वार्तालाप

डॉ. पवन शर्मा
आचार्य
राजनीति विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,
मेरठ (उ.प्र.)

डॉ. भरत व्यास
एम.एससी., एम.फिल., पीएच.डी. (भौतिकी)
सहायक संचालक
उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल (म.प्र.)

भारतीय ज्ञान परम्परा पर राष्ट्रीय वेबिनार

Date
29 May 2024

Time
11 am-4 pm

Venue
Virtual Platform (Google Meet)

11-11:15 am - Inaugural Speech

11:15-11:30 am – Principal's Address

Session-1 (11:30 am– 1:30 pm)

11:30- 12:30 - Speech by Expert

Paper Presentation-12:30 pm-01:30 pm

Session-2 (02 pm-3:30 pm)

02 pm-03 pm – Speech by Expert

Paper Presentation-03pm-03:30 pm.

Vote of Thanks
3:30-04 pm

SCAN QR CODE **Link For Registration**
https://forms.gle/P2aK2UjCqRzeD36G8

SCAN QR CODE **Link For Whatsapp Group**
https://chat.whatsapp.com/JrAEWhkNlh3HsbSRJKR80A

SCAN QR CODE **Click on the below link to join the Webinar at 11 am on 29 May 2024**
https://meet.google.com/kem-kqti-iww

अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें **डॉ. दिनेश जाधव**
e-mail : gasc.comp@gmail.com *98936 09628*

Important Dates:

Webinar Date: 29 May 2024

Free Registration by: 28 May 2024
Abstract Submission by: 24 May 2024
Paper Submission by: 25 May 2024

Guidelines for Paper:

- Research Papers may be sent in Hindi or English.
- All submission should be typed in MS-Word Abstract: Approx. 200-250 words with maximum 5 keywords.
- Full Paper: 05 to 06 pages or 2000-2500 words. Font Style -Times New Roman for English & Kruti Dev 10 font for Hindi.
- Font Size – Headings & Sub-heading 14 in bold & text/Content in 12.
- Line Spacing -1.5 with margin 1" on each side,
- References – APA Format
- The paper should clearly mention the Title, Name of author, designation, affiliated college, mail-ID, Phone No. below the heading.

Mail ID for Research Paper Submission:
gasc.comp@gmail.com

• Call for Papers (Free Publication:)
Selected papers will be published in Webinar proceeding after being reviewed by Peer Reviewed Committee, indexed by Scopus /books with an ISSN/ISBN.

•e- Certificate: e-certificate of participation and paper presentation will be awarded to registered participants.

डॉ. वाय. के. मिश्र
प्राचार्य - संरक्षक

डॉ. के. आर. पाटीदार
संयोजक

डॉ. दिनेश जाधव
आयोजन सचिव

आयोजन समिति

डॉ. स्वाति पाठक डॉ. विनोद शर्मा डॉ. सी. एल. शर्मा